हो सकदा माँ आउंदी होवे

हो सकदा माँ आउंदी होवे,
भगता नु गल लाउंदी होवे,

हो सकदा माँ रूस के बह जावे,
न न एह नही हो सकदा,

भगता दे पल विच काज सवार दी है,
दयोल दे वेहड़े पल विच पार उतार दी है,
हो सकदा माँ पल विच अवे,
हो सकदा माँ दरस दिखावे,
हो सकदा अवे न अवे,
ना ना एहे हो नही सकदा,

माँ दा दर दुनिया ली एक सहारा है,
माँ दा दर भगता नु जान तो प्यारा है,
भुलिया नु माँ रस्ते पावे,
डिगिया नु माँ आप उठावे,
हो सकदा चुप कर के बेह जावे,
न न एह हो नही सकदा,

बचिया दी हर पल रखवाली करदी है,
अन्पुर्निया बन भंडारे भर दी है,
हो सकदा जगदम्बे दाती,
भंढे मुरदा चिन्ते रती,
हो सकदा कुछ पल्ले न पावे,
न न एहे हो नही सकदा,

जगराते विच जोती बन के जग दी है,
भोली भाली सब नु प्यारी लगदी है,
सबदी आस पुजवान वाली,
सब दे कर्म कमवान वाली,
हो सकदा चंचल नु भूल जावे,
न न एहे हो नही सकदा,

स्वर : नरेन्द्र चंचल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2283/title/ho-sakda-maa-aaundi-hove-bhagata-nu-gal-laundi-howe

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |